उस सुंदर, नए बनाए गए पृथ्वी पर, जहाँ हम सदा उनके साथ रहेंगे (प्रकाशितवाक्य 21 और 22)।

और यही है वह आनंदमय अंत। आप भविष्य के लिए सबसे अच्छे तरीके से तैयार हो सकते हैं यदि आप आज ही यीशु को अपने जीवन और हृदय में आमंत्रित करें। वह आपकी पुकार सुनेंगे और आप उनकी उपस्थिति और प्रेम से आशीषित होंगे, आज से लेकर अनंतकाल तक। आप सरलता से यह प्रार्थना कर सकते हैं:

प्रिय यीशु, मैं विश्वास करता/करती हूँ कि आपने मेरे लिए प्राण दिए और आप मुझसे प्रेम करते हैं। मुझे पता है कि मुझे अपने जीवन में आपकी उपस्थिति की आवश्यकता है, और मैं अपना हृदय खोलता/खोलती हूँ और आपसे विनती करता/करती हूँ कि आप अंदर आएँ। मेरे पापों को क्षमा करें। मुझे अनन्त जीवन के आपके निःशुल्क उपहार और मेरे सभी पापों की क्षमा के लिए धन्यवाद। मुझे दूसरों के साथ आपका प्रेम और सत्य साझा करने में सहायता करें। आमीन।

© 2022 Activated

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: https://activated.org

उस सुंदर, नए बनाए गए पृथ्वी पर, जहाँ हम सदा उनके साथ रहेंगे (प्रकाशितवाक्य 21 और 22)।

और यही है वह आनंदमय अंत। आप भविष्य के लिए सबसे अच्छे तरीके से तैयार हो सकते हैं यदि आप आज ही यीशु को अपने जीवन और हृदय में आमंत्रित करें। वह आपकी पुकार सुनेंगे और आप उनकी उपस्थिति और प्रेम से आशीषित होंगे, आज से लेकर अनंतकाल तक। आप सरलता से यह प्रार्थना कर सकते हैं:

प्रिय यीशु, मैं विश्वास करता/करती हूँ कि आपने मेरे लिए प्राण दिए और आप मुझसे प्रेम करते हैं। मुझे पता है कि मुझे अपने जीवन में आपकी उपस्थिति की आवश्यकता है, और मैं अपना हृदय खोलता/खोलती हूँ और आपसे विनती करता/करती हूँ कि आप अंदर आएँ। मेरे पापों को क्षमा करें। मुझे अनन्त जीवन के आपके निःशुल्क उपहार और मेरे सभी पापों की क्षमा के लिए धन्यवाद। मुझे दूसरों के साथ आपका प्रेम और सत्य साझा करने में सहायता करें। आमीन।

© 2022 Activated

अधिक जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट देखें: https://activated.org

आप
भविष्य
जान
सकते हैं

बाइबल में भविष्य के बारे में बहुत-सी भविष्यवाणियाँ और भविष्य कथन हैं, जो हजारों साल पहले परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखे गए थे—ऐसी भविष्यवाणियाँ जो आज हमारे संसार में हो रही परिस्थितियों और घटनाओं का सटीक वर्णन करती हैं। हम अब उस समय में जी रहे हैं जिसे बाइबल "अंत के दिन" कहती है, जो यीशु मसीह के दूसरे आगमन और उस राज्य की स्थापना से पहले मानव इतिहास के अंतिम समय को दर्शाता है।

बाइबल हमें बताती है कि अंतिम दिनों के अंत में एक शक्तिशाली एक-विश्व सरकार स्थापित होगी, जिस पर एक तानाशाह शासन करेगा जिसे "मसीह-विरोधी" (Antichrist) कहा जाता है, जो दुनिया के सभी लोगों को उसकी उपासना करने के लिए मजबूर करेगा। (देखें 2 थिस्सलुनीकियों 2।) जो लोग यीशु मसीह को स्वीकार नहीं करते, वे मसीह-विरोधी द्वारा धोखा दिए जाएँगे और उन्हें अपने दाहिने हाथ या माथे पर "पशु की छाप" दी जाएगी। इस छाप के बिना कोई भी खरीद या बिक्री नहीं कर सकेगा। बाइबल हमें बताती है कि इस छाप का अंक 666 है। मसीह-विरोधी का सात वर्षों का शासन दुनिया के इतिहास का सबसे भयानक समय लेकर आएगा! (देखें प्रकाशितवाक्य 13 और मत्ती 24।)

लेकिन विश्व इतिहास की इस सबसे अंधेरी रात में अचानक सबसे उज्ज्वल सुबह आएगी। मसीह-विरोधी के शासन के अंत में, स्वयं यीशु मसीह स्वर्ग के बादलों में सामर्थ और महान महिमा के साथ लौटेंगे, ताकि अपने बच्चों को मसीह-विरोधी और उसकी सेनाओं के अत्याचार से बचाएँ। (मत्ती 24:29–31; 1 कुरिन्थियों 15:51–52; प्रकाशितवाक्य 14:14–16।)

वे सभी मसीही जो पहले ही मर चुके हैं, तब अमर, अविनाशी पुनरुत्थान के शरीर प्राप्त करेंगे और अपनी कब्रों से उठेंगे। जो लोग उस समय पृथ्वी पर जीवित होंगे, वे भी तुरंत बदल दिए जाएँगे और नए अनन्त शरीर प्राप्त करेंगे। तब हम सब आकाश में उठाए जाएँगे "हवा में प्रभु से मिलने के लिए" (1 थिस्सलुनीकियों 4:14–17)।

जब हम सब स्वर्ग में एकत्र हो जाएँगे, तब मसीह और उनके अनुयायी पृथ्वी पर लौटेंगे ताकि मसीह-विरोधी की बुरी शक्तियों को हराएँ—हरमगिदोन के महान युद्ध में (प्रकाशितवाक्य 19)। इसके बाद यीशु और उनके सभी पुनर्जीवित बच्चे सत्य, न्याय और धार्मिकता के साथ संसार का संचालन करेंगे—यह पृथ्वी पर परमेश्वर का राज्य होगा (प्रकाशितवाक्य 20:4)।

पृथ्वी पर मसीह के इस अद्भुत हजार वर्षीय राज्य के बाद, परमेश्वर का महान स्वर्गीय नगर नीचे उतरेगा

बाइबल में भविष्य के बारे में बहुत-सी भविष्यवाणियाँ और भविष्य कथन हैं, जो हजारों साल पहले परमेश्वर के भविष्यद्वक्ताओं द्वारा लिखे गए थे—ऐसी भविष्यवाणियाँ जो आज हमारे संसार में हो रही परिस्थितियों और घटनाओं का सटीक वर्णन करती हैं। हम अब उस समय में जी रहे हैं जिसे बाइबल "अंत के दिन" कहती है, जो यीशु मसीह के दूसरे आगमन और उस राज्य की स्थापना से पहले मानव इतिहास के अंतिम समय को दर्शाता है।

बाइबल हमें बताती है कि अंतिम दिनों के अंत में एक शक्तिशाली एक-विश्व सरकार स्थापित होगी, जिस पर एक तानाशाह शासन करेगा जिसे "मसीह-विरोधी" (Antichrist) कहा जाता है, जो दुनिया के सभी लोगों को उसकी उपासना करने के लिए मजबूर करेगा। (देखें 2 थिस्सलुनीकियों 2।) जो लोग यीशु मसीह को स्वीकार नहीं करते, वे मसीह-विरोधी द्वारा धोखा दिए जाएँगे और उन्हें अपने दाहिने हाथ या माथे पर "पशु की छाप" दी जाएगी। इस छाप के बिना कोई भी खरीद या बिक्री नहीं कर सकेगा। बाइबल हमें बताती है कि इस छाप का अंक 666 है। मसीह-विरोधी का सात वर्षों का शासन दुनिया के इतिहास का सबसे भयानक समय लेकर आएगा! (देखें प्रकाशितवाक्य 13 और मत्ती 24।)

लेकिन विश्व इतिहास की इस सबसे अंधेरी रात में अचानक सबसे उज्ज्वल सुबह आएगी। मसीह-विरोधी के शासन के अंत में, स्वयं यीशु मसीह स्वर्ग के बादलों में सामर्थ और महान महिमा के साथ लौटेंगे, ताकि अपने बच्चों को मसीह-विरोधी और उसकी सेनाओं के अत्याचार से बचाएँ। (मत्ती 24:29–31; 1 कुरिन्थियों 15:51–52; प्रकाशितवाक्य 14:14–16।)

वे सभी मसीही जो पहले ही मर चुके हैं, तब अमर, अविनाशी पुनरुत्थान के शरीर प्राप्त करेंगे और अपनी कब्रों से उठेंगे। जो लोग उस समय पृथ्वी पर जीवित होंगे, वे भी तुरंत बदल दिए जाएँगे और नए अनन्त शरीर प्राप्त करेंगे। तब हम सब आकाश में उठाए जाएँगे "हवा में प्रभु से मिलने के लिए" (1 थिस्सलुनीकियों 4:14–17)।

जब हम सब स्वर्ग में एकत्र हो जाएँगे, तब मसीह और उनके अनुयायी पृथ्वी पर लौटेंगे ताकि मसीह-विरोधी की बुरी शक्तियों को हराएँ—हरमगिदोन के महान युद्ध में (प्रकाशितवाक्य 19)। इसके बाद यीशु और उनके सभी पुनर्जीवित बच्चे सत्य, न्याय और धार्मिकता के साथ संसार का संचालन करेंगे—यह पृथ्वी पर परमेश्वर का राज्य होगा (प्रकाशितवाक्य 20:4)।

पृथ्वी पर मसीह के इस अद्भुत हजार वर्षीय राज्य के बाद, परमेश्वर का महान स्वर्गीय नगर नीचे उतरेगा